मुरयिा दरबार

चर्चा में क्यों?

17 अक्तूबर, 2021 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल वशि्व प्रसदि्ध ऐतहिासकि बस्तर दशहरा के तहत सरिहासार में आयोजति 'मुरयिा दरबार' में शामलि हुए तथा जनप्रतनिधियिों द्वारा की गई माँगों को पूरा करते हुए वभिनि्न घोषणाएँ कीं।

प्रमुख बदिु

- मुरयिा दरबार में शामलि होने के लयि सरिहासार पहुँचने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का स्वागत मांझी-चालकयिों द्वारा पारंपरकि पगड़ी पहनाकर कयिा गया।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने टेंपल कमेटी के लयि एक लपिकि और एक भृत्य की भर्ती की घोषणा करने के साथ ही यहाँ स्थति शासकीय इंजीनयिरगि महावदि्यालय का नामकरण वीर झाड़ा सरिहा के नाम पर करने की घोषणा की। उन्होंने दंतेश्वरी मंदरि में आधुनकि ज्योतकिक्ष के नरि्माण की घोषणा भी की।
- बस्तर में मुरयिा दरबार की शुरुआत 8 मार्च, 1876 को हुई थी, जसिमें सरिोंचा के डप्टिी कमशि्नर मेक जार्ज ने मांझी- चालकयिों को संबोधति कयिा था। बाद में लोगों की सुवधिा के अनुरूप इसे बस्तर दशहरा का अभनि्न अंग बनाया गया, जो परंपरानुसार 145 साल से जारी है।
- उल्लेखनीय है कबिस्तर रयिासत द्वारा अपने राज्य में परगना स्थापति कर यहाँ के मूल आदवासयिों से मांझी (मुखयिा) नयिुक्त कयिा गया था, जो अपने क्षेत्र की हर बात राजा तक पहुँचाया करते थे, वहीं राजाज्ञा से ग्रामीणों को अवगत भी कराते थे। मूरयिा दरबार में राजा द्वारा नरि्धारति 80 परगना के मांझी ही उन्हें अपने क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराते हैं।
- मुरयिा दरबार में पहले राजा और रयिासत के अधकारी कर्मचारी मांझयिों की बातें सुना करते थे और तत्कालीन प्रशासन से उन्हें हल कराने की पहल होती थी। आज़ादी के बाद मुरयिा दरबार का स्वरूप बदल गया। 1947 के बाद राजा के साथ जनप्रतनिधि भी इसमें शामलि होने लगे।
- 1965 के पूर्व बस्तर महाराजा स्व. प्रवीर चंद्र भंजदेव दरबार की अध्यक्षता करते रहे। उनके नधिन के बाद राज परवािर के सदस्यों मुरयिा दरबार में आना बंद कर दयिा था। वर्ष 2015 से राज परवािर के कमलचंद्र भंजदेव इस दरबार में शामलि हो रहे हैं।
- बस्तर के मुरयिा दरबार में अब बस्तर संभाग के नरि्वाचति जन-प्रतनिधि और वरषि्ठ अधकारी उपस्थति रहते हैं। वे ग्रामीणों से आवेदन लेते हैं। मांझी, चालकी और मेंबर-मेंबरीन इनके सामने ही अपनी समस्या रखते हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भी 2009 -10 से लगभग हर मुरयिा दरबार में शामलि हो रहे हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/muria-darbar